62 nd Kerala School Kalolsavam, January 4 to 8, 2024, Kollam

Item Code: 641 Participant Code: 108

"तेरी इंतज़ार में . . . . ।"

आसमान से गिरी बारिश -
की बूँदें . . . . ।
पता नहीं था वही तो
मेरी आँसू थे . . . . ।
क्या तुम्हें पता है -
मैं क्यों रोने हूँ ?
इतनी था क्या तुम्हारी
जिम्मेदारी ?
उतनी ही था तुम्हारी प्यार ?
मेरे प्यार अनमोल है,
जैसे तुम्हारे दिल,
मेरे आँखें ढूँढते हैं -
तेरी नजरों को आसपास ।
याद है क्या कुच्छ और ?
हम सात - सात बिताने समय ।
वही समय थे मेरे लिए,
आते जाने का रास्ता . . . .
आजा मेरे प्यारे -
मैं तेरी इंतज़ार करती हूँ ।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

इतनी ही बात था,-
मुझको, की तुम हर,
सफर मेरी साथ रहो....
वही थे मेरी सपना भी।
अब भी तेरी यादें -
मुझको, करते हैं शिकार,
भूल गया था, क्या?
की तुम मेरी परछायी थे-
मैं तुम्हारे जीवन का-
अनमोल में भी अधिक थे।
देर तक शाम को भी -
तेरी आवाज़ करते थे-
मुझे हँसने की तलाश।
कहाँ गयी अब वही आवाज़-
की यादों से रो रही हूँ मैं....।
माँ और बाँप को भी-
सुनता नहीं, सिर्फ तुम्हारी ही सुनता-
इतनी जल्दी जाना था क्या?
तुझको इस धरणी से....।

पूछता रहा मेरी तनहाई -
तेरी परछायी कहाँ गयी . . . ?
उत्तर देना है मुझको . . . -
लेखे जाओ मुझे कई और ।
मैं वो परिंदे नहीं -
जो उड़ना छोड़ जाता है . . .
आ जा मेरे प्यारे -
मुझे पता नहीं ना की -
दोस्त है या मेरी जिंदगी . . . ?
आ जा मेरे प्यारे -
रही हूँ तेरी इंतज़ार में . . . ।
अकाल की जैसे कैसी -
हालत पर मेरी जीवन,
गुज़रते थे . . . ।
तेरी पहचान सिर्फ
तुम्हारी ही था . . . ।
मेरी कई बातों केलिए -
तुम्हारा यही जवाब था क्या . . . ?
मत छोड़ो मुझे अकेले इसी धरती पर . . . ।

यही धरती मेरे लिए -
तो शून्य है।
आसमान ही मेरी पसंद
जगह है।
तुम्हारी आँखें रात पर -
गगन से तारों के जैसे -
मुझे देखते हैं।
तेरी आवाज़ हवा के साथ
मेरी पास आ जाते हैं...।
यही तो है, तुम मेरी परछाई थे....-
हिम्मत नहीं हारना चाहिए मैं -
मुझे तुम्हारी पसंद करना है।
मुझे इसी शून्य धरती पर-
जीना चाहिए....।
हे, मेरी प्यारे तुम नहीं है तो -
मेरी जीवन निर्भर....।
तेरी परछाई अभी भी मेरी साथ है....।
जीऊँगा मैं सिर्फ तुम्हारे लिए ही नहीं...-
मेरी जैसी कई और केलिए भी....।

वही को भी आँसू की बारिश-
चलाना न दूँगा . . . ।
है, मेरी प्यारे, केवल अभी,
भी बताओ की . . . . -
दोस्त ही था, था कुच्छ और ?
हर रात एकाएक जवाब -
केलिए करती हूँ मैं इंतज़ार . . .
चाँद की ओर देखते-हुए -
करती हूँ तेरी यादें . . . ।
जलाती हूँ अब मेरी -
आँसू की बारिश को,
बदलती हूँ मैं यही कुच्छ और।
हँसते हूँ हर दिन अब मैं . . . ?
एक नये शुरुवात हो जाए अब . . . ।
पता है तुम मेरी साथ है . . . ?
मैं नहीं भूलूँगी तेरी सपने।
आ जा मेरे प्यारा,
रही हूँ तेरी इंतज़ार में . . . ।